छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, गुरुवार 5 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-127 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

मूसेवाला के हत्यारों की सोच पंजाब में घूम रही पीएम मोदी को फिर चुनौती



नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा, वही मानसिकता, जिसने दिन-दहाड़े सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या करने वालों का हौसला बढ़ाया था, अब पंजाब के हर कोने में फैल रही है।पंजाब के संगरूर में बुधवार को कांग्रेस पार्टी की 'इंसाफ रैली' को संबोधित करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर एक बार फिर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, कल मैंने नरेंद्र मोदी को सीधे चुनौती दी थी। वे कहीं भी आएं और मेरे साथ बहस करें। वे किसी को भी जज चुन सकते हैं, बहस कहीं भी हो सकती है। मैं गारंटी देता हूं कि नरेंद्र मोदी मेरे सामने बैठने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। अपने संबोधन के दौरान, राहुल गांधी ने पंजाब में नशीले पदार्थों के सेवन और अपराध के मुद्दों पर भी एक अहम बात कही। कांग्रेस सांसद ने कहा, की गोली मारकर हत्या करने वालों का हौसला बढ़ाया था।

बरेली में ग्राम पंचायत की वोटर लिस्ट से 26 हिंदू वोटर्स के नाम कटे, BLO सस्पेंड



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट से नाम काटने को लेकर बरेली में एक और मामला सामने आया है। पहले मुस्लिम वोटर्स के नाम सूची से हटाने को लेकर सवाल उठ रहे थे, अब जिले की शेरगढ़ ब्लॉक की मोहम्मदपुर ग्राम पंचायत में 26 हिंदू वोटर्स के नाम काटे जाने की शिकायत की जांच में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। यह नाम ग्राम पंचायत की वोटर लिस्ट से काटे गए हैं। ंच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि बीएलओ ने पूर्व प्रधान से मिलीभगत कर हिंदू परिवारों के कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए थे। मामला सामने आने के बाद गांव में भी इस मसले पर चर्चा शुरू हो गई है।

आंध्र में मुरासु तूफान के चलते 35 ट्रेनें रद्द



नई दिल्ली।आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान मुरासु ने भारी तबाही मचाई है। तूफान से 2 लोगों की मौत हो गई और 52 हजार हेक्टेयर से ज्यादा फसलें बर्बाद हो गईं। इसके कारण 35 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं।2,230 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तूफान से राज्य को करीब ?344 करोड़ का नुकसान हुआ है। बुधवार को भी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई।

राम-कृष्ण में भेद करने वाला महापापी धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर भड़के संत



नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री भगवान राम और श्रीकृष्ण की तुलना कर विवादों में आ गए हैं। उन्होंने राम को सीधा और श्रीकृष्ण को टेढ़ा बताया था। धीरेंद्र शास्त्री ने एक कथा के दौरान कहा था कि श्रीकृष्ण तीन जगह से टेढ़े हैं और बंसी बजाना कोई मुश्किल काम नहीं है। लेकिन धनुष चलाना बड़ा काम है। उनका यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिस पर लोगों ने बड़ी नाराजगी जाहिर की है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की इस टिप्पणी को लेकर साधु-संतों की प्रतिक्रिया भी आने लगी है। इस बयान पर क्या कह रहा है।

राज्योत्सव में जिला पंचायत

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विगत 2 नवंबर को गुरुकुल खेल मैदान पेंड्रारोड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में विभिन्न विभागों ने विकास पर आधारित स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों एवं विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपाची सहित विशिष्ट अतिथियों के साथ विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। अतिथियों ने स्टॉलों में प्रदर्शित योजनाओं एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली।

निर्णायक समिति के मूल्यांकन के आधार पर जिला पंचायत एवं आदिवासी विकास विभाग के स्टॉल को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

आदिवासी विकास विभाग के स्टॉल को संयुक्त रूप से मिला प्रथम स्थान



महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जल संसाधन विभाग के स्टॉल को संयुक्त रूप से द्वितीय और राजस्व विभाग एवं आयुष विभाग के स्टॉल को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से राज्योत्सव में पहुंचे नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं जिले में हुए विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त हुई।

देश की सबसे धीमी 'वंदे भारत' होगी बेंगलुरु-गोवा एक्सप्रेस

12 घंटे 20 मिनट में पूरा करेगी सफर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश को जल्द ही बेंगलुरु और गोवा के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिल सकती है। नवंबर में शुरू होने की संभावना वाली यशवंतपुर-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस अपनी रफ्तार को लेकर चर्चा में है। यह ट्रेन देश की सबसे धीमी वंदे भारत एक्सप्रेस होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा समय लेने वाली चेयर कार सेवा भी होगी। यशवंतपुर से मडगांव तक पहुंचने में इसे 12 घंटे 20 मिनट लगेंगे, जबकि वापसी में मडगांव से यशवंतपुर आने में 12 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। इस ट्रेन का नंबर 26655/26656 प्रस्तावित है। खास बात यह है कि देश में चल रही दूसरी वंदे भारत ट्रेनों के मुकाबले इसकी औसत रफ्तार काफी कम होगी। इसकी वजह रेलवे ट्रैक की स्थिति और पहाड़ी रास्तों पर मौजूद तकनीकी चुनौतियां बताई जा रही हैं।



जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा 1-15 नवंबर 2025 देश भर में शुरू

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

जनजातीय नायकों के पराक्रम, दूरदर्शिता और योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा (1-15 नवंबर 2025) पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ। पखवाड़े भर चलने वाला यह उत्सव भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले जनजातीय गौरव वर्ष का हिस्सा है। भगवान बिरसा मुंडा देश के सबसे सम्मानित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक और औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध प्रतिरोध के एक स्थायी प्रतीक थे।माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समुदायों के बलिदान, संस्कृति और विरासत का सम्मान करने और उनके साहस तथा राष्ट्र-निर्माण की कहानियों को राष्ट्रीय चेतना में लाने के लिए जनजातीय गौरव वर्ष मनाने की घोषणा की थी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार ने प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे।माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा को एक जन आंदोलन के रूप में मनाने का आह्वान किया है। इसमें पूरे देश में जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान, ज्ञान प्रणालियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा।हिमालय से लेकर तटीय मैदानों तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 15 नवंबर 2025 को जनजातीय गौरव दिवस तक गौरव और स्मरण की साझा भावना को दर्शाते हुए सांस्कृतिक, शैक्षिक और समुदाय-उन्मुख कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की है।जम्मू और कश्मीर में- प्रधानमंत्री जनमन, धरती आबा पहल, कानूनी सशक्तिकरण और एनईपी शिक्षाशास्त्र पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

54 किमी प्रति घंटे रहेगी औसत रफ्तार

यशवंतपुर-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस की औसत रफ्तार बेंगलुरु से गोवा की दिशा में 54 किलोमीटर प्रति घंटे और वापसी में 53 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है। इस हिसाब से यह ट्रेन सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों से भी धीमी होगी। भारतीय रेलवे में सामान्य मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की औसत रफ्तार 50 से 54 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच रहती है। वहीं, 55 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक औसत रफ्तार वाली ट्रेनों को सुपरफास्ट श्रेणी में रखा जाता है। फिलहाल देश में सबसे ज्यादा समय लेने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पुणे-अजनी (नागपुर)-पुणे सेवा है।

प्रदूषण विवाद में अमर कलर केम इंडिया को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने HC के फैसले में दखल से किया इनकार



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया है, जिसमें प्रदूषण से जुड़े एक विवाद में 'अमर कलर केम इंडिया' को हलफ़्ज़ के पास भेजा गया था। याचिकाकर्ता के वकील अमित पाई ने तर्क दिया कि वायु अधिनियम की धारा 31ए के तहत दिए गए निर्देशों को सीधे NGT के सामने चुनौती नहीं दी जा सकती। अमित पाई ने धारा 31 और 31बी के तहत अपीलीय ढांचे का हवाला दिया।सीजेआई सूर्य कांत की बेंच में शामिल जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने इस तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा किके तहत पैदा होने वाले महत्वपूर्ण पर्यावरणीय विवाद शामिल हैं।

मौत को मात देकर घर लौटी पंचकूला की नन्ही परी, फूलों की बारिश से हुआ स्वागत

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से जिस घर में चिंता, डर और मायूसी का माहौल था, वहां अब खुशियां लौट आई हैं। बच्ची की घर वापसी से परिवार ने राहत की सांस ली है। इस मुश्किल समय में देशभर के हजारों लोगों ने उसके जल्द स्वस्थ होने की दुआ की थी। अब मासूम को अपने बीच देखकर परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है।बच्ची के चाचा ने भावुक होते हुए कहा कि यह उनकी बच्ची का दूसरा जन्म है। उन्होंने बताया कि जिस हालत में मासूम अस्पताल पहुंची थी, उसे देखकर परिवार को डर सताने लगा था कि कहीं वे उसे हमेशा के लिए न खो दें। आज उसे सुरक्षित घर में देखकर ऐसा लग रहा है जैसे परिवार को अपनी बच्ची दोबारा मिल गई हो।



ट्रम्प दोनों सदनों में मिडटर्म इलेक्शन हारे, डेमोक्रेट्स को बहुमत

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है।वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं।ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से जिहादी कहा था। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था,ट्रम्प ने अब्दुल पर आतंकियों का साथ देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर अल-सैयद सीनेटर बनते हैं, तो उन्हें संसद में जाने से पहले मेटल डिटेक्टर से गुजरना चाहिए। उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए अल-सैयद की तुलना विमान हाईजैक करने वाले आतंकियों से भी की।

दिवाली-छठ में कैसे जाएंगे घर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इस साल दिल्ली-मुंबई में रहे बड़ी संख्या में पूर्वांचलियों की दिवाली और छठ पूजा अपने गांव में करने की चाहत पर पानी फिरता नजर आ रहा। ट्रेनों में टिकट तो मिल नहीं रहा, हवाई जहाज का किराया भी आसमान छूने लगा है। ऐसे हालात में लोगों का इस बार समय से घर पहुंचना काफी मुश्किल हो गया है। आलम यह है कि दिल्ली और मुंबई से यूपी-बिहार की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों में नो रूम हो चुका है।वहीं मुंबई से पटना और वाराणसी जाने वाली फ्लाइट्स के किराए भी आसमान छू रहे हैं।15 हजार से 22 हजार रुपये तक पहुंच गया है।

सेवा देने का मौका मिलेगा

अग्निवीरों को मोदी सरकार का तोहफा, मिला 2 साल का एक्सटेंशन



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों को लेकर बड़ा फैसला किया है। कैबिनेट ने अग्निवीरों के लिए दो साल के अतिरिक्त सेवा विस्तार का रास्ता साफ कर दिया है। अब चार साल की शुरुआती सेवा पूरी करने के बाद नियमित सेना में शामिल नहीं हो पाने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल और सेवा देने का मौका मिलेगा। इस तरह उनका कुल सेवा कार्यकाल छह साल हो जाएगा।दिल्ली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इसे भारतीय सशस्त्र बलों और अग्निवीरों के लिए महत्वपूर्ण दिन बताया। एनएस राजा सुब्रमणि के मुताबिक, दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा होने के बाद सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक अग्निवीरों को नियमित सेना में भर्ती होने का अवसर मिलेगा।

एक साल में 12 हजार से अधिक हुईं शाखाएं; आरक्षण-SIR पर हुआ मंथन

इंदौरः संघ के शताब्दी वर्ष में RSS का विस्तार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) 100 साल का सफर पूरा करने के बाद अब 101वें साल में प्रवेश कर चुका है। शताब्दी वर्ष में संघ ने अपने संगठनात्मक विस्तार से लेकर सामाजिक गतिविधियों और सेवा कार्यों का पूरा लेखा-जोखा पेश किया। इंदौर में हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की 3 दिवसीय बैठक के समापन पर सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संघ की उपलब्धियां गिनाईं। साथ ही बैठक में एसआईआर और आरक्षण जैसे गंभीर मसलों पर मंथन किया गया।



आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में देशभर में 12 हजार से ज्यादा दैनिक शाखाएं बढ़ी हैं और अब इनकी संख्या 99 हजार के पार पहुंच गई है। पांच करोड़ के करीब लोगों की हिंदू सम्मेलनों में सहभागिता रही। लेकिन इस बैठक में सिर्फ संगठन का विस्तार ही चर्चा में नहीं रहा। आरक्षण, स्ढ्ढक्र युवाओं में नशे की बढ़ती लत और जेन-जी से संवाद जैसे मुद्दों पर भी संघ ने अपनी राय रखी।

शाखाओं में एक साल में 12 हजार से अधिक की वृद्धि

इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की 3 दिवसीय बैठक के बाद सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शताब्दी वर्ष में संघ के कामकाज का ब्योरा सामने रखा। संघ के मुताबिक, अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026 के बीच दैनिक शाखाओं की संख्या में 12 हजार 25 की हजार 398 दैनिक शाखाएं थीं।

हिंदू सम्मेलन से पांच करोड़ लोगों तक पहुंचने का दावा

शताब्दी वर्ष में संघ ने सामाजिक और जनसंपर्क गतिविधियों पर भी खास जोर दिया। देशभर में 65 हजार 664 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें करीब 4 करोड़ 94 लाख लोगों की सहभागिता दर्ज की गई। इन सम्मेलनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की भागीदारी रही। युवाओं को जोड़ने के लिए बीच 57 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

न्यूज इन शॉर्ट

राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा अब 3 जनवरी 2027 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2026-27 की तिथि में संशोधन किया गया है। अब यह परीक्षा 12 दिसंबर 2026 के स्थान पर 03 जनवरी 2027 रविवार को प्रदेश के निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी।

सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्रस्थ) की अधिसूचना के तहत 12 एवं 13 दिसंबर 2026 को केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (ष्टञ्जश्वञ्ज) आयोजित की जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय साधन सह- प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा की तिथि में परिवर्तन किया गया है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा का आयोजन अब 03 जनवरी 2027 को निर्धारित परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा। इस संबंध में मंडल द्वारा संशोधित अधिसूचना जारी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को संशोधित परीक्षा तिथि की जानकारी परीक्षार्थियों तक पहुंचाने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

महादेव सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर की कोर्ट में पेशी, सुरक्षा सख्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में बुधवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। करीब 6 हजार करोड़ रुपये के कथित सट्टा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष ष्टक्रङ्घ अदालत में पेश किया गया। उसकी पेशी को देखते हुए कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। इस बीच केंद्रीय जांच ब्यूरोआरोपी से विस्तृत पूछताछ के लिए अदालत से कस्टोडियल रिमांड की मांग कर सकती है।कैलकुलेटर चुनेंजानकारी के अनुसार, सौरभ चंद्राकर को मंगलवार को की टीम दिल्ली से फ्लाइट संख्या श्व6 2307 के जरिए रायपुर लेकर पहुंची थी। इससे पहले उसे ओमान से प्रत्यर्पण के बाद भारत लाया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी हुई थीं। उसके भारत आने को महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले की जांच में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। दरअसल, सोमवार को सौरभ चंद्राकर को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था।

बिलासपुर में महिला की चिता से छेड़छाड़ का आरोप; युवक की बेदम पिटाई, 3 पर FIR

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में श्मशान घाट पर कथित तंत्र साधना के संदेह में एक व्यक्ति के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। कोनी थाना क्षेत्र के देवनगर स्थित श्मशान घाट में महिला की जलती चिता के पास संदिग्ध गतिविधियों का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने एक व्यक्ति की पिटाई कर दी। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों की संलिप्तता सामने आने के बाद अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला एक महिला के अंतिम संस्कार के बाद उत्पन्न हुए विवाद से जुड़ा है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कोनी निवासी अनिता यादव की एक नवंबर को मौत हो गई थी। उसी दिन शाम को परिजनों ने श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया था। अंतिम संस्कार के बाद परिवार के सदस्य घर लौट गए थे। बताया जा रहा है कि रात में जब कुछ परिजन दोबारा श्मशान घाट पहुंचे, तो वहां कुछ लोग मौजूद थे। परिजनों को उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। परिजनों ने दावा किया कि अंतिम संस्कार के बाद चिता से कुछ अस्थियां और अन्य अवशेष गायब मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां मौजूद एक व्यक्ति कथित रूप से तंत्र-मंत्र से जुड़ी गतिविधियां कर रहा था। वायरल वीडियो से जुड़ी रिपोर्टों में एक बुजुर्ग का बयान भी सामने आया है। उसके अनुसार, वह शराब लेकर श्मशान घाट पहुंचा था। बुजुर्ग ने कथित तौर पर कहा कि वहां मौजूद व्यक्ति मंत्र पढ़ते हुए चिता पर शराब की बूंदें डाल रहा था। हालांकि, यह बुजुर्ग का दावा है। चिता से अवशेष गायब होने, किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें निकालने या तंत्र साधना किए जाने की स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

26 नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए

दीपावली के मद्देनजर खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच

अस्वच्छता मिलने पर भुवन होटल का खाद्य पंजीयन निरस्त, सुधार तक संचालन बंद; दो प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर आमजन को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में विशेष सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 26 नमूने संकलित किए गए हैं। इन्हें परीक्षण के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। जांच के दौरान पेंड्रा स्थित स्वीट इंडियन रेस्टोरेंट से बर्फी एवं सेव, गौरेला के ओम साई डेयरी से पनीर एवं खोवा तथा कान्हा स्वीट्स से मिल्क केक एवं खोवा के नमूने लिए गए।

इसी तरह मरवाही के भुवन होटल से बूंदी एवं बर्फी तथा अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों से पेड़ा, बेसन लड्डू, गजक, रजवाड़ी चिक्की सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए गए। अभियान के अंतर्गत 2 नवंबर को मरवाही स्थित भुवन होटल के परिसर में अत्यधिक अस्वच्छता पाए जाने पर उसका खाद्य पंजीयन निरस्त करते हुए आवश्यक सुधार होने तक संचालन बंद कराया गया। परिसर में अस्वच्छ परिस्थितियों में रखी जलेबी भी नष्ट कराई गई। इसके अतिरिक्त जिले के दो खाद्य प्रतिष्ठानों को सुधार हेतु नोटिस जारी किया गया है।खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जा रही है।

गांवों की गलियों में नहीं बिखरेगा कचरा

मनेन्द्रगढ़ की 14 ग्राम पंचायतों में घर-घर संग्रहण की पहल

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा प्रबंधन पर जोर, स्वच्छ और स्वस्थ गांव बनाने की दिशा में बढ़ रहे कदम

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी



मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के गांवों में अब घरों से निकलने वाला कचरा गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर बिखरने के बजाय निर्धारित संग्रहण केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत विकासखंड की 14 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता ग्राही घर-घर पहुंचकर कचरा एकत्रित कर रहे हैं। इस पहल से गांवों में साफ-सफाई की व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही ग्रामीणों को कचरा निस्तारण की सुविधा भी मिल रही है। स्वच्छता ग्राहियों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

14 ग्राम पंचायतों में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य

मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत लालपुर, मुख्तियारपारा, डगौरा, भलौर, परसगढ़ी, बौरीडांड, छिपछिपी, लाई, ताराबहरा, भौता, कछौड़, पाराडोल, बुंदेली एवं बेलबहरा में स्वच्छताग्राहियों के माध्यम से घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य संचालित किया जा रहा है। स्वच्छताग्राही ग्रामीण परिवारों के घरों से निकलने वाले घरेलू कचरे को एकत्रित कर निर्धारित संग्रहण केंद्रों तक पहुंचा रहे हैं। इससे गांवों की गलियों, सार्वजनिक स्थलों एवं आवासीय क्षेत्रों में कचरे के अनियंत्रित जमाव को रोकने में सहायता मिल रही है।

कचरा प्रबंधन से स्वच्छ और स्वस्थ गांवों की परिकल्पना को बढ़ावा

घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था ग्रामीण स्वच्छता को स्थायी स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल कचरा एकत्रित करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना भी है। निर्धारित केंद्रों में कचरा संग्रहित होने से उसके व्यवस्थित प्रबंधन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलने, गंदगी बढ़ने तथा उससे उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की आशंका को कम करने में भी मदद मिलेगी।

स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर

स्वच्छताग्राहियों द्वारा कचरा संग्रहण के साथ ग्रामीणों को अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने तथा घरेलू कचरे को खुले स्थानों पर नहीं फेंकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता से घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी बढ़ने से गांवों में स्वच्छ वातावरण विकसित करने में सहायता मिलेगी। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित यह पहल ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। स्वच्छताग्राहियों की सक्रिय भूमिका और प्रयासों को नई गति मिल रही है।

लोगों को जागरूक करने राज्योत्सव पर प्राधिकरण द्वारा

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद



जानकारी देकर जागरूक किया गया

एक नवंबर को राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी परिपेक्ष्य में 2 नवंबर को जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा आयोजित राज्योत्सव का आयोजन मिनी स्टेडियम मैदान में आयोजित किया गया। उक्त राज्योंत्सव अवसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिता डहरिया के मागदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता एवं प्राधिकरण द्वारा दी जा रही विधिक सलाह एवं सहायता पर अधारित स्टॉल लगाया गया।प्राधिकरण की प्रभारी सचिव चेतना ठाकुर के नेतृत्व पर राज्योत्सव में आने वाले आमजनों एवं नागरिकों को कानून के विभिन्न विषयों पर अधारित पाम्पलेट वितरित कर तथा उनके द्वारा चाही गई विधिक सलाह प्रदान करने के लिए प्रतिधारक एवं लीगल एड डिफैस के अधिवक्ताओं की ड्यूटी लगाई गई थी।

राज्योंत्सव कार्यक्रम अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों द्वारा अपने अपने विभाग से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं से जुडी विभागीय स्टाल लगाए गए थे।इसी तरह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कार्यक्रम में आने वाले आमजनों एवं नागरिकों को कानून के विभिन्न विषयों से संबंधित विधिक जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिता डहरिया, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश आनंद बोरकर, तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश चन्द्रकला देवी साहू, प्राधिकरण की प्रभारी सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चेतना ठाकुर, न्यायिक मजिस्ट्रेट अरूण कुमार नोरगे, पारूल साय, आदित्य जैन, प्रशिक्षु सिविलन्यायाधीश स्वाती पैकरा, सृष्टि सोनकला और राहुल कुमार निराला सहित प्राधिकरण के समस्त स्टाफगण एवं पैरालिगल वॉलेटियरर्स उपस्थित थे। राज्योंत्सव में जिला

111 राशन दुकानें जर्जर, 26 के पास अपना भवन नहीं; प्रशासन ने उठाया ये बड़ा कदम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को मजबूत बनाने और राशन कार्डधारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले में संचालित उचित मूल्य दुकानों की भौतिक स्थिति की समीक्षा के बाद जर्जर भवनों की मरम्मत, भवनविहीन दुकानों के लिए नए भवन तथा खाद्यान्न भंडारण की सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिले की कुल 496 उचित मूल्य दुकानों में से 111 दुकान-सह-गोदाम भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं। वहीं 26 उचित मूल्य दुकानें अपने भवन के अभाव में दूसरे शासकीय भवनों से संचालित हो रही हैं। इन दुकानों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता सामने आई है। इसके अलावा सात नवीन उचित मूल्य दुकानों के लिए भी आवश्यकतानुसार भवन निर्माण और सुविधाओं के विकास की जरूरत चिन्हित की गई हैउपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण करें तो जिले की लगभग 22 प्रतिशत उचित मूल्य दुकानों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। वहीं करीब पांच प्रतिशत दुकानें अपने भवन के बिना अन्य शासकीय परिसरों में संचालित हो रही हैं। इन दोनों श्रेणियों को मिलाकर 137 दुकानों में भवन संबंधी समस्याएं सामने आई हैं।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन में 6 ट्रैक्टर जब्त

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर खनिज विभाग की कार्रवाई,



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर खनिज विभाग ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त 6 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। उड़नदस्ता दल ने रूमगा क्षेत्र से रेत से भरे दो ट्रैक्टर जब्त कर सुरक्षार्थ कोटमी चौकी में रखा है। इसी प्रकार सिल्पहरी से रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को जब्त कर अमरपुर पुलिस लाइन तथा नेवसा क्षेत्र से मुरुम का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को जब्त कर गौरेला थाने में रखा गया है। खन्ता क्षेत्र में भी रेत के अवैध उत्खनन में संलिप्त दो ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं। जब्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। निर्धारित अर्थदण्ड अथवा समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा कराए जाने के उपरांत नियमानुसार वाहनों को मुक्त किया जाएगा।

धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक चलेगी

धान खरीदी में लापरवाही और अवैध धान पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने आज समय-सीमा की बैठक में समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी शुरू होने से पहले सभी उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी हों और किसानों को किसी भी स्तर पर परेशानी न हो। अवैध धान परिवहन, भंडारण और उपार्जन केन्द्रों में बाहरी धान खपाने के प्रयासों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक चलेगी।



धान के अवैध आवक रोकने के लिए कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा ने आदेश क्रमांक 866 जारी कर चेकपोस्टों पर अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। चेकपोस्टों पर तीन पालियों में जांच की व्यवस्था रहेगी। सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात 10 बजे तक और रात 10 से सुबह 6 बजे तक। कलेक्टर ने पुलिस, राजस्व, आबकारी और खाद्य सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से निगरानी करने तथा संदिग्ध वाहनों और धान के परिवहन की जांच करने के निर्देश दिए। अन्य राज्यों या जिलों से धान लाकर किसानों के पंजीयन की आड़ में बेचने अथवा उपार्जन केन्द्रों में खपाने की कोशिश पर वाहन और धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।अनुविभागीय अधिकारियों के निर्देशन में तहसीलवार उड़नदस्ता दल भी निगरानी करेंगे। इन दलों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, सहकारिता निरीक्षक तथा मंडी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। कलेक्टर ने दलों को नियमित जांच कर कार्रवाई की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने के निर्देश दिए। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील उपार्जन केन्द्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। वहां तैनात अधिकारियों को खरीदी शुरू होने से पहले स्थल निरीक्षण कर कमियां दूर कराने और ड्यूटी के दौरान सक्रिय रहने को कहा गया है।

खरीदी केन्द्रों की तैयारियों के लिए 29 अक्टूबर को कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने अनुविभागीय अधिकारियों, खाद्य, सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों को खरीदी प्रक्रिया और निर्धारित व्यवस्थाओं की जानकारी दी थी। आज की समीक्षा में कलेक्टर ने तैयारियों की स्थिति परखते हुए निर्देश दिए कि प्रशिक्षण में बताई गई प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदारी तय की जाए।जिले में कुल 95 धान उपार्जन केन्द्र हैं। इनमें सारंगढ़ विकासखंड के 30, बरमकेला के 27 और बिलाईगढ़ के 38 केन्द्र शामिल हैं। कलेक्टर ने सभी केन्द्रों पर तौल मशीनों का समय पर सत्यापन कराने, आर्द्रतामापक यंत्र उपलब्ध रखने और खराब यंत्रों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। प्रत्येक केन्द्र में सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील रहने चाहिए। खरीदी प्रक्रिया पर राज्य, जिला और विकासखंड स्तर से निगरानी की जाएगी। केन्द्रों में व्यवस्था अधूरी मिलने या कैमरे बंद पाए जाने पर संबंधित अधिकारी तत्काल सुधार कराएं।किसानों की सुविधा के लिए 'तुहर टोकन' मोबाइल एप से टोकन लेने की व्यवस्था रहेगी। किसान समिति में पहुंचकर भी टोकन प्राप्त कर सकेंगे। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार दो एकड़ तक के किसानों को एक, दो से दस एकड़ तक के किसानों को दो और दस एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन टोकन की सुविधा दी गई है। कलेक्टर ने टोकन व्यवस्था और खरीदी की प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी किसानों तक पहुंचाने तथा केन्द्रों में अनावश्यक प्रतीक्षा की स्थिति न बनने देने को कहा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें, चेकपोस्टों और उपार्जन केन्द्रों पर तैनात अमला निर्धारित समय पर उपस्थित रहे तथा अवैध परिवहन की सूचना मिलने पर तत्काल जांच और कार्रवाई की जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी, अपर कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अनहोनी के डर से 1 हफ्ते पहले मनाते हैं दिवाली-करीब 100 साल पुरानी परंपरा,

सेमरा में देश से पहले होती है लक्ष्मी पूजा

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के सेमरा-सी गांव में दिवाली 5 दिन पहले मनाई गई। 3 नवंबर को गांव के हर घर में दीप जलाए गए। घरों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। आंगन में रंगोली बनाई गई। लक्ष्मी पूजा के बाद बच्चों ने पटाखे फोड़कर त्योहार मनाया।

शहर से करीब 22 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में हर साल दिवाली 1 हफ्ते पहले मनाने की परंपरा है। इसके पीछे ग्रामीणों की सदियों पुरानी मान्यता है। गांव के लोगों का विश्वास है कि ग्राम देवता सिरदार देव ने उनके पूर्वजों को सपने में दर्शन देकर सभी प्रमुख त्योहार एक सप्ताह पहले मनाने का आदेश दिया था।ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा को तोड़कर देशभर में तय तारीख पर दिवाली मनाने से गांव में कोई अनहोनी हो सकती है। इसी आस्था के चलते गांव की नई पीढ़ी भी आज तक इस परंपरा को निभा रही है।



सिरदार देव के आदेश से शुरू हुई परंपरा

ग्रामीणों के मुताबिक, सदियों पहले सेमरा गांव चारों ओर जंगलों से घिरा था। उस समय गांव में जंगली जानवरों का खतरा बना रहता था। इसी दौरान सिरदार नाम के एक व्यक्ति ने ग्रामीणों को जंगली जानवरों से बचाया, लेकिन इस दौरान उनकी मौत हो गई।इसके बाद गांव के पुजारी को सपने में सिरदार के दर्शन हुए। मान्यता है कि सिरदार ने गांव की खुशहाली और सुरक्षा के लिए पूजा करने और सभी प्रमुख त्योहार एक सप्ताह पहले मनाने की बात कही थी।इसके बाद से गांव में सिरदार देव की पूजा शुरू हो गई और उनका मंदिर भी बनाया गया। आज भी यहां दिवाली के साथ होली, हरेली और पोरा जैसे त्योहार देशभर में तय तारीख से सात दिन पहले मनाए जाते हैं।

दिवाली पर गांव की आबादी से ज्यादा पहुंचते हैं मेहमान

गांव के सरपंच छबिलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि दिवाली की तैयारियां 15 से 20 दिन पहले ही शुरू हो जाती हैं। आसपास के 15 से 20 गांवों से लोग त्योहार मनाने सेमरा पहुंचते हैं। कई परिवारों के 4-5 सदस्य मेहमान बनकर आते हैं। कई बार मेहमानों की संख्या गांव की आबादी से भी ज्यादा हो जाती है।

परंपरा तोड़ने की कोशिश के बाद बढ़ा विश्वास

सरपंच के मुताबिक, एक बार गांव में तय परंपरा से हटकर त्योहार मनाने की कोशिश की गई थी। इसके बाद ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों ने इसे सिरदार देव की मान्यता से जोड़कर देखा। इसके बाद से गांव में दिवाली समेत सभी प्रमुख त्योहार एक सप्ताह पहले मनाने की परंपरा जारी है।

वहीं, ग्रामीण गजेंद्र कुमार सिन्हा के मुताबिक, सिरदार देव के प्रति आस्था के चलते दूर-दूर से लोग गांव में पूजा करने पहुंचते हैं।

दिवाली मनाने राजनांदगांव से पहुंचीं प्रियंका

राजनांदगांव से आई मेहमान प्रियंका श्रीवास ने बताया कि सेमरा गांव उनका ननिहाल है। यहां दिवाली के अलावा हरेली, होली और पोला जैसे त्योहार भी एक सप्ताह पहले मनाए जाते हैं। दिवाली पर गांव में सभी लोगों के बीच खासा उत्साह रहता है।

निर्धारित तिथि के बाद नई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी

किसानों से की चर्चा, फसल विवरण में त्रुटि होने पर 10 नवंबर तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने कहा



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही,

/कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज ग्राम पंचायत हर्राटोला एवं गोरखपुर पहुंचकर एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026-27 के डिजिटल फसल सर्वेक्षण में दर्ज विवरण के सत्यापन की जानकारी ली। उन्होंने ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में चस्पा की गई खसरावार किसान सूची एवं फसल विवरण का अवलोकन किया। साथ ही उपस्थित किसानों से चर्चा कर पूछा कि सर्वेक्षण में दर्ज फसल विवरण के संबंध में उन्हें किसी प्रकार की समस्या तो नहीं है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे सर्वेक्षण में दर्ज अपनी फसल का विवरण ध्यानपूर्वक जांच लें। किसी प्रकार की त्रुटि अथवा समस्या होने पर 10 नवंबर तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें, जिससे उसका समय रहते परीक्षण एवं निराकरण किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि डिजिटल फसल सर्वेक्षण में दर्ज विवरण के सत्यापन के लिए जिले के प्रत्येक ग्राम में 4 से 6 नवंबर तक विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें दर्ज फसल विवरण का वाचन करने के साथ ही ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर सर्वेक्षित किसानों की खसरावार सूची चस्पा की जा रही है। प्राप्त दावा-आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण संबंधित तहसील के तहसीलदार द्वारा 10 नवंबर तक किया जाएगा। निर्धारित तिथि के बाद नई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। इस कार्य के लिए ग्रामवार प्रभारी अधिकारी के साथ पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक नियुक्त किए गए हैं। किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रचार-प्रसार तथा कोटवारों के माध्यम से ग्राम सभा से पूर्व मुनादी कराने की व्यवस्था भी की गई है।

दीपावली के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा मिठाई दुकानों का निरीक्षण

जगदलपुर, राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जिले में दीपावली पर्व के दौरान बिकने वाली मिठाईयों, नमकीनों एवं अन्य खाद्य पदार्थों तथा मिठाई बनाने में उपयोग की जाने वाली कच्चे सामग्रियों की सघनता से जांच की जा रही है। इसी तारतम्य में आड़ावाल स्थित मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर खोवा, काजू कतली, सलोनी, कलाकंद, पेंड़ा, काला जामुन, गुलाब जामुन, नारियल लड्डू, मिक्चर नमकीन, डोडा बर्फी, बेसन पापड़ी का नमूना संकलन किया गया एवं परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान 12 किलोग्राम एक्सपायर डालडा एवं 8 किलोग्राम रसगुल्ला को नष्ट कराया गया। जगदलपुर के मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर खोवा, गुलाब जामुन, सेव नमकीन, चावल, उड़द दाल, चक्की आटा, केसर बाटी, पेस्ट्री, चमचम, खोवा पेड़ा, कूकीज का नमूना संकलन कर प्रयोगशाला भेजा गया। लगभग 10 किलोग्राम खोवा अनहाइजेनिक स्थिति में रखे पाये जाने पर नष्ट कराया गया। जिले में सतत निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है। 5 खाद्य प्रतिष्ठानों को आवश्यक सुधार हेतु सुधार सूचना पत्र प्रेषित की गई है। उक्त कार्यवाही का संचालन जिले में अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्रीमती पूनम कुंजाम के मार्गदर्शन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री अंकित गुप्ता, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री पंकज कुमार नाग एवं नमूना सहायक श्री नंदकिशोर हिरवानी की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

श्रीनिवास मिश्र हुए सेवा निवृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दी भावभीनी विदाई



महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ़

220 बिस्तर सिविल अस्पताल मनेंद्रगढ़ में विगत 41 वर्षों से सेवारत श्रीनिवास मिश्र 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्ति हुए थे इसके उपलक्ष्य में अस्पताल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से दिन बुधवार दिनांक 4 नवंबर को विदाई समारोह आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई एवं उनके सेवाकाल की उपलब्धियां को याद किया गया व उनके आगामी उज्जवल भविष्य की कामना की गई इस समारोह में अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर स्वप्निल तिवारी प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विकास पोद्दार डॉक्टर प्रकाश जायसवाल डॉक्टर भाषिता साहू डॉक्टर आलेख सिदार डॉ अमित मिर्रे डॉक्टर मनिंदर सिंह डॉक्टर अभय डॉक्टर शालिनी डॉक्टर इंतजार ओरखे डॉ विनीत विश्वकर्मा डॉक्टर प्रियंका डॉक्टर कीर्ति डॉक्टर मरावी सुबीना डेविड आर डी दीवान अनुपमा सिंह विदेशी नाहक रीमा सिंह भारती विश्वकर्मा अरुण ताम्रकार प्रवीण सिंह सोमेंद्र मंडल गायत्री मरकाम पुष्पा पटेल नीता नायर पी सोलोमन खुर्शीद अहमद पिंकू पटेल रीता मिश्रा प्रियंका साहू धर्मपाल शिव प्रसाद यादव देवप्रिया एक्का गौरी शंकर सोंधियाजितेंद्र सेन पावला संगीता राहुल शर्मा दीपक जायसवाल सावित्री जायसवाल नीरजा जेम्स शैलेन्द्र मिश्रा शैल कुमार रूपा रजक सुरेश पनिका सहित काफी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेमरहा जलाशय को 10 वर्षीय पट्टे पर देने के लिए 18 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, जनपद पंचायत गौरेला अंतर्गत ग्राम पंचायत अधियारखोह स्थित सेमरहा जलाशय को 10 वर्षीय पट्टे पर दिए जाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक 18 नवंबर 2026 तक अपना आवेदन जनपद पंचायत गौरेला कार्यालय में जमा कर सकते हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत गौरेला से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेमरहा जलाशय का औसत जलक्षेत्र 21 हेक्टेयर है। उक्त जलाशय को निर्धारित प्रक्रिया के तहत 10 वर्षों के लिए पट्टे पर दिया जाना है। इच्छुक आवेदक पट्टा आवंटन से संबंधित नियमों, शर्तों एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए जनपद पंचायत गौरेला कार्यालय से संपर्क कर सकते है।



राज्योत्सव के अवसर पर मछली पालक 8 हितग्राहियों को वितरित किया गया जाल एवं आइस बॉक्स

सुविधाओं का लाभ उठाकर हितग्राही अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही,

गुरुकुल खेल मैदान पेण्ड्रारोड में विगत 2 नवंबर को आयोजित राज्योत्सव के अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह के हाथों मछली पालन विभाग के 8 हितग्राहियों को जाल एवं आइस बॉक्स वितरित किया गया। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने एवं हितग्राहियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित योजना के तहत मरवाही विकासखंड के हितग्राही श्री प्रकाश मराबी, श्री दुर्गा प्रसाद, श्रीमती रीता बाई एवं श्री शिवलाल मराबी को मत्स्य पालन सामग्री प्रदान की गई। इसी प्रकार गौरेला विकासखंड के श्रीमती मानमती एवं श्रीमती लीला नागेश तथा पेंड्रा विकासखंड के श्री भइया लाल एवं श्री छेदीलाल को जाल एवं आइस बॉक्स वितरित किए गए। विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि मछली पालन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय का एक महत्वपूर्ण साधन है। शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही



सुविधाओं का लाभ उठाकर हितग्राही अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं।

नए उपार्जन केंद्र हर्राटोला एवं कोरजा में पहुँच मार्ग, फड़ एवं चबूतरा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं खरीदी से पहले पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही,

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए जिले में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज धान खरीदी केंद्र मेदुका, लालपुर एवं धनौली सहित इस वर्ष प्रारंभ हो रहे दो नए धान उपार्जन केंद्र हर्राटोला एवं कोरजा का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से नए एवं पुराने बारदानों की उपलब्धता तथा पुराने बारदानों की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नवीन एवं पूर्व से पंजीकृत किसानों की संख्या के साथ ही लघु, सीमांत एवं बड़े किसानों के पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही धान उपार्जन केन्द्र धनौली में स्वयं कम्प्यूटर ऑपरेट कर पोर्टल में दर्ज किसानों का डाटा भी जांच किया। उन्होंने खरीदी केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए किसानों की सुविधा के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने नए धान उपार्जन केंद्र हर्राटोला एवं कोरजा में विशेष रूप से सुगम पहुँच मार्ग, उपार्जित धान के सुरक्षित रख-रखाव के लिए फड़ एवं चबूतरा निर्माण सहित सभी आवश्यक तैयारियां धान खरीदी प्रारंभ होने से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष मोटा धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा पतला धान का समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, एसडीएम पेंड्रारोड श्री विक्रांत अंचल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुंवारपुर वन परिक्षेत्र में डबरी निर्माण को लेकर गंभीर शिकायतें, डिप्टी रेंजर की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो - गुलाब कमरो

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कुंवारपुर वन परिक्षेत्र में डबरी निर्माण कार्य को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। सरकारी निर्माण कार्यों में मजदूरों से काम कराने के बजाय निजी ट्रैक्टरऔर ट्रैक्टरों का इस्तेमाल किए जाने तथा इससे संबंधित आर्थिक अनियमितताओं के आरोप बेहद गंभीर हैं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि कुंवारपुर परिक्षेत्र में पदस्थ



डिप्टी रेंजर शर्मा की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। पूर्व में भी उनके विरुद्ध गंभीर कानूनी प्रकरण और जेल जाने की बात सामने आई है।

गुलाब कमरो ने वन विभाग के डीएफओ से मांग की है कि पूरे मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच कराई जाए। सरकारी निर्माण कार्यों में मजदूरों के हक और रोजगार के अधिकारों की अनदेखी क्यों की जा रही है? निजी मशीनों का उपयोग किसके आदेश पर हो रहा है और इससे किसे आर्थिक लाभ पहुंच रहा है, इसकी जांच होनी चाहिए।

गोवर्धन पूजा के लिए पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश को संशोधित कर देवउठनी एकादशी 20 नवम्बर को रहेगा स्थानीय अवकाश

उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर नवा रायपुर द्वारा 26 अक्टूबर 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार 09 नवंबर सोमवार को दीपावली का दूसरा दिन (गोवर्धन पूजा) के अवसर पर संपूर्ण छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में स्थानीय अवकाश की तिथि में संशोधन किया गया है। पूर्व में 09 नवंबर 2026, सोमवार को दीपावली का दूसरा दिन (गोवर्धन पूजा) के अवसर पर संपूर्ण उत्तर बस्तर कांकेर जिले के लिए घोषित स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था, जिसे निरस्त करते हुए अब 20 नवंबर शुक्रवार को देवउठनी एकादशी (तुलसी विवाह) के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

न्यूज इन शॉर्ट

वित्तीय सेवाएँ पहुँचाने 05 नवंबर को दो ग्राम पंचायत छुईहा और चिंगरिया में लगेंगे विशेष शिविर

महासमुंद। वित्तीय सेवा विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत 05 नवंबर 2026 को विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत दो ग्राम पंचायतों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्राम पंचायत छुईहा में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा तेंदूकोना तथा ग्राम पंचायत चिंगरिया में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा कोमाखान द्वारा शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा एवं भारतीय स्टेट बैंक की सहभागिता से भी विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना तथा उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक एवं सशक्त बनाना है। अभियान की प्रमुख थीम हर नागरिक तक वित्तीय सेवाएँ – हर नागरिक का सशक्तिकरण है।

शिविरों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत बैंक खाता खोलने, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में पंजीयन, बैंक खातों में आधार सीडिंग, केवाईसी/सी-केवाईसी एवं रि-केवाईसी, निष्क्रिय जन-धन खातों को पुनः सक्रिय करने तथा खातों में नामांकन की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा नागरिकों को बचत, निवेश, बीमा एवं पेंशन संबंधी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही बैंकों में जमा बिना दावा की गई राशि की जानकारी एवं दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

पारदर्शिता और जन-भागीदारी के साथ जिले की 50 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण कार्य प्रगति पर

महासमुंद। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ग्रामीण जन-भागीदारी को सुदृढ़ करने महासमुंद जिले में सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी है। संचालक, छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई रायपुर द्वारा दिए गए निर्देशों और अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले की कुल 551 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण संपादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 303 ग्राम पंचायतों में अंकेक्षण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जबकि शेष 248 ग्राम पंचायतों में से प्रथम चरण के अंतर्गत 50 ग्राम पंचायतों में अंकेक्षण की कार्यवाही द्रुत गति से संचालित की जा रही है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के आदेशानुसार जिले के पांचों जनपद पंचायतों पिथौरा, बागबाहरा, बसना, सरायपाली और महासमुंद की चिह्नित 50 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा सघन भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वीबी जी राम जी योजना के तहत विगत वित्तीय वर्षों में निष्पादित कार्यों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों का कार्यस्थल निरीक्षण, मजदूरों का घर-घर सत्यापन, अभिलेखों की सूक्ष्म जांच और सर्वे का कार्य शामिल है। प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए 04 से 07 दिवसीय सामाजिक अंकेक्षण के उपरांत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर अंकेक्षण प्रतिवेदन का वाचन किया जाएगा, जिसमें पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों और जांच प्रतिवेदनों को भी शामिल किया जाएगा।

लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर हुआ युवा संवाद, 200 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

दंतेवाड़ा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत), दंतेवाड़ा द्वारा पीजी गर्ल्स कॉलेज, दंतेवाड़ा में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक जागरूकता बढ़ाने, सक्रिय नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना था। 26 अक्टूबर से 05 नवंबर 2026 तक देशभर के 500 विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित राष्ट्रव्यापी विकसित भारत युवा संवाद पहल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री चैतराम अटामी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नगर मंत्री महिमा द्विवेदी ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का प्रमुख केंद्र है

दूरस्थ गांवों और वनांचल के विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा की मांग

संवाददाता ➤ मरवाही

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने वीरांगना दुर्गावती महाविद्यालय, मरवाही में व्याप्त विभिन्न शैक्षणिक एवं मूलभूत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के आवागमन के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही अन्य समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई।दूरस्थ गांवों और वनांचल के विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा की मांग विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विधायक के समक्ष महाविद्यालय के लिए एक बस उपलब्ध कराने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है



कि दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन महाविद्यालय पहुंचते हैं। ऐसे में बस सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी और उन्हें पढ़ाई के लिए आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।शैक्षणिक एवं मूलभूत समस्याओं से विधायक को कराया अवगत

ज्ञापन सौंपने के दौरान कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, आवश्यक सुविधाओं एवं विद्यार्थियों को होने वाली विभिन्न परेशानियों से विधायक को अवगत कराया। साथ ही संबंधित विभाग एवं महाविद्यालय प्रशासन के माध्यम से समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने की मांग रखी।इस अवसर पर नगर मंत्री महिमा द्विवेदी ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में यहां बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।वहीं नगर सह मंत्री हरीश चंद्रा ने कहा कि विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची पूर्व में भी वीरांगना दुर्गावती महाविद्यालय के विकास से जुड़े मुद्दों को विधानसभा में उठा चुके हैं। विद्यार्थी परिषद को विश्वास है कि विधायक विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करेंगे।

विद्यार्थी हितों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कहा कि विद्यार्थी हितों से जुड़े विषयों को लेकर संगठन सदैव सजग एवं संघर्षरत रहेगा। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और महाविद्यालय की समस्याओं के समाधान के लिए परिषद निरंतर प्रयास करती रहेगी।

इस दौरान दिव्या, नेहा, शानू, मोनिका, कृष्णा, प्रिंस, निखिल, स्नेहा, रोशनी सहित विद्यार्थी परिषद के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिम्मेदारियों को निभाने में भी राहत मिल रही

योजनाओं से हितग्राही महिमा के परिवार को मिला आर्थिक संबल और बेहतर जीवन की नई उम्मीद

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ग्राम पंचायत नवागांव विकासखंड पेंड्रा की निवासी श्रीमती महिमा प्रजापति के जीवन में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं खुशहाली और आत्मनिर्भरता की नई राह लेकर आई हैं। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें 33वीं किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनकी बेहतर शिक्षा के लिए कर रही हैं।



महिमा प्रजापति के पति ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित पारिवारिक आय के बीच महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। इस राशि से उन्हें बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी राहत मिल रही है।

इसके साथ ही महिमा प्रजापति को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी मिला है, जिससे उनके परिवार को पक्के मकान की सुविधा प्राप्त हुई है। अब उनका परिवार सुरक्षित और बेहतर आवास में जीवन यापन कर रहा है। श्रीमती महिमा प्रजापति ने इन योजनाओं से मिल रहे लाभ के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शासन की इन जनकल्याणकारी योजनाओं से उनके परिवार को आर्थिक सहायता और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिला है।

महिला की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने किया स्थिति स्पष्ट, एम्बुलेंस के लिए नहीं मिली थी सूचना

घटना की जानकारी मिलते ही विभाग ने उपलब्ध कराया शव वाहन, गांव में स्वास्थ्य टीम भेजकर कराया सर्वे

एमसीबी/ ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

30 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित समाचार 'खाट पर 2 किमी पैदल ले गए परिजन, अस्पताल पहुंचने के दौरान महिला की मौत' के संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि महिला को अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा एम्बुलेंस की मांग नहीं की गई थी। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग को कोई सूचना भी नहीं दी गई थी।



सीएमएचओ डॉ. खरे के अनुसार, महिला की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने अस्पताल ले जाने के लिए घर से निकलते समय स्थानीय सरपंच को सूचना दी थी। महिला का घर मुख्य सड़क से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित था, जहां तक चारपहिया वाहन पहुंचने के लिए सड़क मार्ग उपलब्ध नहीं था। इस कारण महिला को मुख्य सड़क तक लाने में परेशानी हुई और समय भी लगा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महिला की उम्र 60 वर्ष से अधिक थी और वह अस्थमा तथा उच्च रक्तचाप से पीड़ित थी। घटना वाले दिन सुबह भोजन करने के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।विभाग ने स्पष्ट किया कि महिला जिले की निवासी नहीं थी, इसलिए उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से संबंधित जानकारी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध नहीं थी। घटना की सूचना मिलते ही विभाग द्वारा तत्काल शव वाहन उपलब्ध कराया गया। साथ ही संबंधित गांव में स्वास्थ्य टीम भेजकर सर्वे कराया गया, ताकि अन्य किसी व्यक्ति के बीमार होने की स्थिति का पता लगाया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकरण में एम्बुलेंस के लिए विभाग से संपर्क नहीं किया गया था। विभाग ने प्रकाशित समाचार के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति सामने रखते हुए स्वास्थ्य विभाग के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का खंडन प्रकाशित करने का अनुरोध किया है।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़कर 15 नवंबर हुई

पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को मिला अतिरिक्त अवसर, 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस पर होगा पुरस्कार वितरण

एमसीबी। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा संचालित युवा रत्न सम्मान योजना 2026-27 के अंतर्गत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 नवंबर 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अवधि 01 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित थी। योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को आवेदन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आवेदन की समय-सीमा में वृद्धि की गई है। विभाग द्वारा जारी संशोधित समय-सारणी के अनुसार जिला स्तरीय समितियों द्वारा 15 नवंबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण 16 से 30 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद चयन संबंधी प्रस्ताव एवं आवश्यक दस्तावेज 01 से 15 दिसंबर 2026 तक संचालनालय को प्रेषित किए जाएंगे।

राज्योत्सव में जनमन पत्रिका का वितरण कर शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला मुख्यालय के मेढ़का डोबरा मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित जनमन पत्रिका का वितरण किया गया। इस दौरान स्कूली छात्राओं, युवाओं एवं कार्यक्रम में पहुंचे नागरिकों को पत्रिका की प्रतियां प्रदान कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। जनमन पत्रिका के माध्यम से शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को आम नागरिकों तक पहुंचाया गया। पत्रिका में प्रकाशित योजनाओं की जानकारी से विद्यार्थियों एवं आमजन को शासन की जनहितकारी पहल और उनके लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों ने स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कॉलेज के युवाओं को पत्रिका में प्रकाशित उपयोगी जानकारियों से अवगत कराया तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक रहने की अपील की। योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय रहा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तिः संस्था, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रम वर्ष परिवर्तन के लिए 30 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन एवं पाठ्यक्रम वर्ष परिवर्तन के लिए 1 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पात्र विद्यार्थी 30 नवंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में संचालित शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों तथा आईटीआई सहित अन्य संस्थानों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। जिले के ऐसे निवासी विद्यार्थी, जो अन्य राज्यों में अध्ययनरत हैं और विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, वे भी इस प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के परिवर्तन के लिए अपनी व्यक्तिगत आईडी का उपयोग करते हुए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पर आवेदन करना होगा। पाठ्यक्रम वर्ष में अंतराल होने की स्थिति में अंतराल अवधि में किए गए पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों के आवेदन एवं अपलोड किए गए दस्तावेजों का परीक्षण करने के उपरांत सत्यापन कर प्रकरण राज्य कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा।

सबसे बड़े राष्ट्रीय आयोजनों में से एक का हिस्सा बनने का गौरव भी

गुजरात से लौटे ग्रामीणों का स्कूल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर किया स्वागत, सुने

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बस्तर के जंगलों से निकलकर गुजरात के एकता नगर तक पहुंची यह यात्रा केवल 50 ग्रामीणों का सफर नहीं थी, बल्कि बदलते सुकमा की एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें पहली बार ट्रेन में बैठने का उत्साह भी था और देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय आयोजनों में से एक का हिस्सा बनने का गौरव भी। कभी नक्सल चुनौती के कारण चर्चा में रहने वाले सुकमा के ग्रामीणों ने गुजरात के केवड़िया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह और भव्य परेड को अपनी आंखों से देखा। जब परेड में छत्तीसगढ़ पुलिस के छत्रू और स्क्वरू के जवानों ने कदमताल की, तो सुकमा से पहुंचे ग्रामीणों ने तालियों की गूंज के



साथ उनका उत्साह बढ़ाया।

सुकमा जिले के अलग-अलग गांवों से आए 50 नागरिकों के इस दल के लिए गुजरात की यात्रा कई मायनों में खास रही। इनमें बड़ी संख्या ऐसे ग्रामीणों की थी, जिन्होंने अपने जीवन में पहली बार ट्रेन से सफर किया। गांवों की परिचित सीमाओं से बाहर निकलकर लंबी रेल यात्रा करना, नए प्रदेश को देखना और राष्ट्रीय स्तर के भव्य समारोह में शामिल होना उनके लिए एक नया अनुभव था। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में आयोजित राष्ट्रीय एकता परेड ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।जिन जवानों पर गर्व, उन्हें राष्ट्रीय मंच पर कदमताल करते देखा

एकता नगर में आयोजित समारोह के दौरान ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ पुलिस के उन जवानों को परेड में हिस्सा लेते देखा, जो बस्तर के चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा और शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते हैं। छत्रू और स्क्वरू के जवानों की अनुशासित कदमताल ने ग्रामीणों को गौरवान्वित किया। अपने ही प्रदेश के जवानों को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व करते देख उन्होंने तालियां बजाकर उनका मनोबल बढ़ाया। यह उनके लिए केवल परेड देखना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के जवानों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का अनुभव भी था।

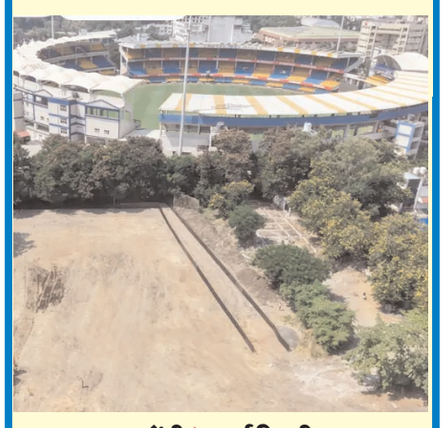
पुलिस की पहल से गांवों के लोगों को मिला देश देखने का अवसर

इस विशेष यात्रा का आयोजन पुलिस अधीक्षक सुकमा मयंक गुर्जर (भापुसे) के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में किया गया। उप पुलिस अधीक्षक सपन चौधरी के नेतृत्व में 50 सदस्यीय दल गुजरात पहुंचा। यात्रा के दौरान ग्रामीणों को राष्ट्रीय एकता समारोह में भाग लेने के साथ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने और गुजरात की संस्कृति तथा परिवेश से परिचित होने का अवसर मिला।

वापसी पर एसपी ने सुने अनुभव, पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

गुजरात प्रवास के बाद सुकमा लौटे सभी 50 नागरिकों का पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने अपने कार्यालय में आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने प्रत्येक सदस्य को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और उनसे यात्रा के अनुभव सुने। ग्रामीणों ने बताया कि पहली बार ट्रेन में बैठने से लेकर प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय समारोह देखने तक, यह पूरी यात्रा उनके जीवन की अविस्मरणीय स्मृति बन गई है।दल के सदस्यों ने इस अवसर के लिए सुकमा पुलिस और छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इंदौर पहुंचीं भारत-वेस्टइंडीज की टीमें, फैंस पर चढ़ा क्रिकेट रंग



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है।स्टेडियम के बाहर दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, टी-शर्ट और कैप सज गई हैं। क्रिकेट प्रेमी खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं शनिवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से इंदौर पहुंचे।एयरपोर्ट से खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच चार्टर्ड बसों से होटल ले जाया गया। भारतीय टीम रेडिसन और वेस्टइंडीज की टीम मैरियट होटल में ठहरी है।मैच से पहले खिलाड़ियों की सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों टीमों के अभ्यास के लिए दो पिच तैयार की गई हैं। कोच गौतम गंभीर होलकर स्टेडियम पहुंचे और उन्होंने पिच देखी। वेस्टइंडीज टीम की तरफ से अभी तक कोई पिच देखने नहीं पहुंचा है।

भारतीय टीम रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में ठहरी

भारतीय टीम रेडिसन होटल में ठहरेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम के लिए मैरिएट होटल में व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों की आवाजाही, सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मैदान के बाहर भी तैयार कीं दो पिचें

भारत और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बल्लेबाजों की नेट प्रैक्टिस के लिए मैदान के बाहर अमय खुरासिया एकेडमी में दो पिचें तैयार की गई हैं।इन्हें होलकर स्टेडियम की पिचों के समान परिस्थितियां देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि बल्लेबाजों को अभ्यास के दौरान मैच जैसी स्थिति मिल सके।

मुकाबले में जीत के लिए जोरदार संघर्ष देखने को मिला



तमिलनाडु में आयोजित डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में सर्बिया की टेनिस खिलाड़ी तेओदोरा कोस्तोविच स्पेन की ओक्साना सेलेखमेतेवा के खिलाफ दमदार खेल दिखाती हुईं। कोर्ट पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में जीत के लिए जोरदार संघर्ष देखने को मिला।

सहवाग बोले- वैभव सूर्यवंशी में मेरी सोच दिखती है



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'दिल्ली में शनिवार को PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सत्र में सहवाग ने सूर्यवंशी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर सूर्यवंशी उसका पूरा फायदा उठा सकते हैं।सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनकी जगह उम्र से नहीं, प्रदर्शन से तय होनी चाहिए।

सहवाह ने सूर्यवंशी के उम्र की चिंताओं को खारिज किया

सहवाग ने सूर्यवंशी की उम्र को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्र की सीमा केवल उम्र-आधारित प्रतियोगिताओं में मायने रखती है।सहवाग ने कहा- 'अगर आप किसी उम्र-आधारित प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो यह बात सही है। अगर अंडर-19 है, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए।'

:पहले वनडे में कोहली ने 74 रन बनाए; अर्शदीप सिंह ने 4 विकेट लिए

भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

एजेंसी ➤ ऑकलैंड

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अर्शदीप सिंह के 4 विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑलआउट हो गई। गुरनूर बरार ने भी 3 विकेट लिए।बारिश के कारण भारत को 32 ओवर में 143 रन का रिवाइज्ड टारगेट मिला। टीम ने 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया। विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और 1 छक्का लगाया।

कोहली ने चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया

विराट कोहली वनडे रन चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली के अब चेज में 8,741 रन हो गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 8,720 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।



अंशुल कंबोज प्लेयर ऑफ द मैच

प्लेयर ऑफ द मैच अंशुल कंबोज ने कहा कि उनकी रणनीति पिच के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने की थी। अंशुल ने 10 ओवर में महज 22 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने 2 मेडन ओवर भी डाले।

22वें ओवर की चौथी गेंद पर जैकब डफी ने श्रेयस अय्यर को आउट कर दिया। श्रेयस ने शॉर्ट बॉल पर मिडविकेट के ऊपर से शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के अंदरूनी हिस्से पर लगी और शॉर्ट मिडविकेट पर खड़े हेनरी निकोल्स ने कैच पकड़ लिया।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स्-क्रूद्गह्यह्यश से लेकर प्रीमियम स्क्रूद्गह्यह्यश इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सैंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद:निफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ढूञ्ज, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3ञ् की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जो सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74ञ्
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18ञ्
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95ञ्

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74ञ्
नैस्डैक	25837	+329	+1.29ञ्
स्×क्500	7509	+66	+0.89ञ्

7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल् बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।

बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79ञ् बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5ञ् से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86ञ् नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79ञ् बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28ञ् बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79ञ् बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।

कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्ता स्रद्धह्य27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28ञ् की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वद्धह्यह्लह्लश्वष्ठ और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124ञ् बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42ञ् चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124ञ् बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3ञ् चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42ञ् बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4ञ् बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वद्धह्यह्लह्लश्वष्ठ) 30ञ् बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वद्धह्यह्लह्लश्वष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9ञ् से घटकर 31ञ् पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली हैञ्

ट्रांसमिशन बिजनेसञ् कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4ञ् की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेसञ् इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5ञ् बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेसञ् इसमें 200ञ् से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्मञ् इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।



पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी। इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्चक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पौंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचाते-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढऩे की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुर्खियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही रोकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अख्तियार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुदृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुडा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बहती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विशे्षण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रियूंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशाई नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।

विचार

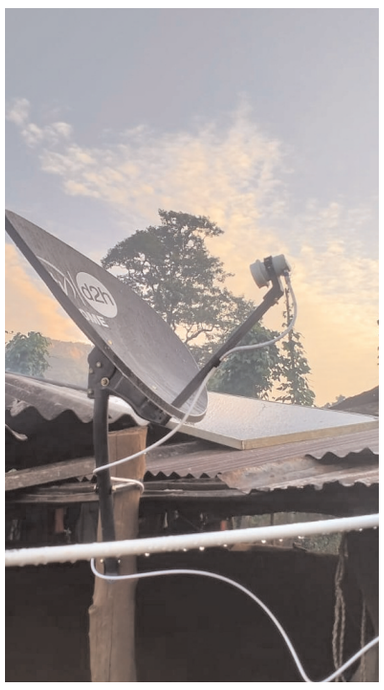
दंतेवाड़ा के सुदूर 'लावा' गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज, CREDA और जिला प्रशासन की अनूठी पहल

धनंजय राठौर संयुक्त संचालक

आमना खान सहायक संचालक, जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव %लावा% में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (छत्तीसगढ़) विभाग द्वारा %कम्युनिटी सोलर टीवी% (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज़ 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविज़न स्क्रीन देखी है।

बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ

बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे राशन दुकान से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है।

दशकों तक रहा नक्सलवाद का साया

लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था।

सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य

सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाज़े तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है।

कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर

चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगे-

आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव

दुर्गम पहाड़ी गाँव लावा में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा।

बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञान

गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा।

मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल

कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकट्ठा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

सौर ऊर्जा का बेहतरीन उपयोग

चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं।

दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नज़रें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।

विचार

औद्योगिक प्रदूषण -एक खतरनाक बुराई

कुलभूषण उपमन्यु

लेखक

श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें इकाइयां आती हैं।

वर्तमान सभ्यता मूलत- औद्योगिक सभ्यता है। दैनिक जरूरतों के सामानों से लेकर सब तरह के ऊर्जा, सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण आदि से संबंधित सामान और उपकरण बड़े पैमाने पर उद्योगों में ही बनाना संभव है। इसलिए दुनिया भर में उद्योगों की स्थापना की होड़ लगी रहती है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता। लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है। उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं, तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवनयापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं। पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शून्य से एक सौ के स्केल से मापा जाता है। 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है। सीमेंट, खनिज तेल रिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है। चौथी श्रेणी श्वेत श्रेणी है। 0 से 20 प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग इसमें



आते हैं। इसमें सौर ऊर्जा प्लांट, वायु ऊर्जा प्लांट और बाईसिकल असेंबली जैसे उद्योग आते हैं। इनके लिए स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है, केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचना मात्र देनी होती है। हिमाचल में बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ में सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित हैं। करीब 3000 इकाइयां यहां स्थापित हैं जिनमें से 380 लाल श्रेणी की, 1400 संतरी श्रेणी की हैं। इनमें से 500 के लगभग इकाइयां जहरीली गैसें वातावरण में छोड़ रही हैं। कुछ के पास तो प्रचालन स्वीकृतियां भी नहीं हैं। अधिकांश अपशिष्ट उपचार संयंत्र कम क्षमता के हैं या अकुशल हैं। शिवालिक अपशिष्ट प्रबन्धन प्लांट भी मनमर्जी से काम करता है। कई उद्योगों पर प्रदूषित पदार्थों को जमीन में पंप करके डाल देने का आरोप है। यह राज्य के अंदर और पड़ोसी राज्यों में भी स्वास्थ्य से बड़े खिलवाड़ का मामला है। अत- पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यह औद्योगीकरण के अंध विरोध का भी मामला नहीं है। किन्तु टिकाऊ और जन अभिमुख विकास के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण होना ही चाहिए, वरना विकास का अर्थ ही अनर्थ में बदल जाता है। यहां से प्रदूषित वायु और जल पंजाब को भी प्रभावित कर रहा है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हिमाचल के बोर्ड को लिखा भी है कि इस क्षेत्र का प्रदूषित अपशिष्ट सतलुज तक पहुंच रहा है। अवैध डंपिंग से रिस कर कुछ अपशिष्ट सिरसा नदी को प्रदूषित कर रहा है जिसका असर हरियाणा तक हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट को इस तरह स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने नहीं दिया जा सकता।गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधारने की मांग की है।

(एक नजर)

मंगल के नक्षत्र में सूर्य गोचर

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राजा सूर्य देव का स्थान बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ-साथ उनके नक्षत्र गोचर का प्रभाव भी सभी 12 राशियों के जीवन पर सीधा असर डालता है। 11 अक्टूबर को सूर्य देव अपनी स्थिति में बदलाव करते हुए मंगल के स्वामित्व वाले चित्रा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस नक्षत्र परिवर्तन से अगले 14 दिनों तक यानी 24 अक्टूबर तक कुछ चुनिंदा राशियों के जातकों को चौतरफा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।जब भी सूर्य ग्रह ऊर्जा के कारक मंगल के नक्षत्र में गोचर करते हैं, तो जातकों के आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त वृद्धि होती है। इस अवधि में व्यक्ति बिना किसी हिचकिचाहट के साहसी निर्णय लेते हैं, जिससे उन्हें करियर, बिजनेस और प्रॉपर्टी के मामलों में बंपर सफलता हाथ लगती है। आइए जानते हैं कि सूर्य के इस महत्वपूर्ण नक्षत्र गोचर से किन 5 भाग्यशाली राशियों की किस्मत चमकने वाली हैं-मेष राशि: सूर्य का यह नक्षत्र गोचर मेष राशि के जातकों के लिए आत्मविश्वास में जबरदस्त बढ़ोतरी लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी और नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मोर्चे पर भी राहत मिलने के पूरे आसार हैं।

विचार

पहियों पर सपनों का घर

संदीप कुमार सिंह

लेखक

आज बड़े महानगर हों या छोटे शहर, सिर पर छत की कीमत आम इंसान की पहुंच से बाहर होती जा रही है। बड़े-बड़े टावरों और गगनचुंबी इमारतों के इस दौर में हर कोई 20-30 साल के होम लोन की ईएमआई, महंगे किराये और तंग झुग्गियों के दुष्चक्र में खुद को फंसा महसूस करता है। लेकिन दुनिया के एक शहर ने अपने अनोखे प्रयोग से इस समस्या से निकलने की राह सुझाई है जिससे बेघर लोगों को सम्मानजनक जिंदगी और घर दोनों मुहैया कराई जा सकती है।

शहरों की आबोहवा में आज तरक्की की चमक कम और बेबसी का धुआं ज्यादा दिखता है। मुंबई की झुग्गी-झोपड़ियों की पतली गालियों से लेकर दिल्ली और न्यूयॉर्क की सड़कों पर फुटपाथ पर सोते बेघर लोगों तक- दुनिया का हर बड़ा शहर एक ही गंभीर बीमारी से जूझ रहा है- शहरी आवास संकट। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि दुनिया की 1 अरब से अधिक आबादी झुग्गियों या असुरक्षित बस्तियों में रहने को मजबूर है, और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। कंक्रीट के आसमान छूते टावर खड़े तो हो रहे हैं, लेकिन आम इंसान के लिए 20-30 साल के भारी-भरकम होम लोन की ईएमआई चुकाए बिना सिर पर



पक्की छत पाना एक नामुमकिन सपना बनता जा रहा है। इसी घुटन और कंक्रीट के जंजाल के बीच से एक नया रास्ता निकला है- पहियों पर दौड़ते छोटे, सुंदर और टिकाऊ आशियाने। अमेरिका के ओरेगन प्रांत में बसे पोर्टलैंड शहर ने इस दिशा में एक ऐसी मिसाल कायम की है कि आज उसे दुनिया भर में %सिटी ऑफ टायनी हाउसेस% के रूप में जाना जाने लगा है। पोर्टलैंड ने यह साबित कर दिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो और सोच लीक से हटकर हो, तो बिना जमीन खरीदे और बिना जिंदगी भर का कर्ज लिए भी एक इंसान बेहद गरिमापूर्ण, आधुनिक और लग्जरी जिंदगी जी सकता है।

पोर्टलैंड का यह %मोबाइल ड्वेलिंग एक्सपेरिमेंट% किसी सरकारी लापरवाही का नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों का नतीजा है। जब पारंपरिक घर बनाना बेहद महंगा हो गया, तो पोर्टलैंड सिटी काउंसिल ने 2021 में अपने जोनिंग बाय-लॉ में एक क्रांतिकारी बदलाव किया। शहर ने कानूनी रूप से 'टायनी हाउसेज ऑन व्हील्स' को मुख्य मकानों के बैकयार्ड या खाली पड़े प्लॉट्स पर रिहायशी तौर पर इस्तेमाल करने की पूरी अनुमति दे दी। यानी, मकान मालिक अपने खाली आंगन में किराए पर छोटा घर रखने के लिए स्वतंत्र हो गए।

इस अनोखे प्रयोग का असर क्या हुआ? ताजा शोध बताती है कि पोर्टलैंड के कई रिहायशी इलाकों में 2020 के मुकाबले 2026 तक मोबाइल टायनी घरों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। पिछले 6 वर्षों में जहां महंगे कंक्रीट के एक्सटेंशन बनाने की रफ्तार सुस्त पड़ी, वहीं पहियों वाले इन सस्ते %स्मार्ट होम% को अपनाने की रफ्तार दोगुनी रही। जहां पक्का घर बनाने में औसतन 2 लाख डॉलर से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एक शानदार टायनी होम महज पचास हजार से 1 लाख डॉलर में बनकर तैयार हो जाता है- यानी सीधी 70त तक की बचत!

अब सवाल उठता है कि 200 से 300 स्क्वायर फीट के इन छोटे डिब्बों में %लग्जरी% कैसे संभव है? जवाब है- स्मार्ट आर्किटेक्चर। इन टायनी हाउसेज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि दीवार में समा जाने वाले बेड, फोल्डेबल डाइनिंग टेबल, मॉड्यूलर किचन, और चिमनी से लेकर ग्लास-शावर वाले बाथपैनल्स तक सब कुछ इसमें समा जाता है। बिजली के भारी बिल से राहत के लिए छतों पर सोलर पैनल लगे होते हैं और पानी व सीवर के लिए %प्लग एंड प्ले% सिस्टम होता है। परिणाम यह है कि जो बेघर या कम आय वाले लोग सड़क किनारे तिरपाल के नीचे सोने को मजबूर थे, वे आज एक अत्याधुनिक और सुरक्षित घर में स्वाभिमान के साथ रह रहे हैं।

यह विचार सिर्फ पोर्टलैंड तक सीमित नहीं रहा। आज दुनिया के कई अन्य शहर भी इस राह पर चल पड़े हैं। अमेरिका में टेक्सास के ऑस्टिन में कम्युनिटी विलेज नाम से 51 एकड़ का पूरा गांव बसाया गया है, जहां सैकड़ों टायनी घर बेघर लोगों को स्थायी सहारा दे रहे हैं। टेक्सास का स्पर्ग शहर खुद को पहियों वाले घरों के लिए अमेरिका का पहला पाबंदी-मुक्त शहर घोषित कर चुका है। वहीं, जापान का टोक्यो अपने माइक्रो-होम्स के जरिए तंग जगहों का बेहतरीन इस्तेमाल कर रहा है, तो कनाडा का वैनकुवर अपने %लेनवे हाउसिंग% मॉडल से शहरी भीड़ की समस्या सुलझा रहा है।

4। भारत में लोग 20-30 साल तक सिर्फ फ्लैट की किस्तें चुकाते रहते हैं। छोटे और सस्ते घरों से युवाओं पर लोन का भारी बोझ नहीं पड़ेगा और वे सुकून की जिंदगी जी सकेंगे।

5। कंक्रीट का कम इस्तेमाल होगा तो पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचेगा। इन छोटे घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली के बिल से भी राहत पाई जा सकती है।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।



पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है। चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो। सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है। इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है। यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है। ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है। मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी। औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है। आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं। एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं।

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं। वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं।



एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं।

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं।

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

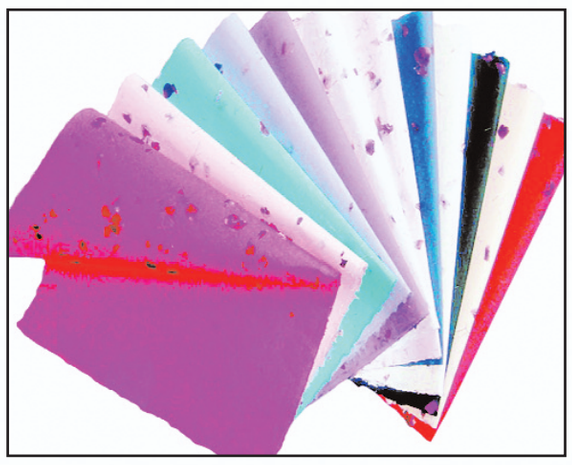
इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं। इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं।

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है। जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं। जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है।

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।



शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों,

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है। ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं।

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं। यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है। संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं। देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है।

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं। जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है। टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें। देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं। डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है। आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है।

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं। टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है। मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं। भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17 ।75 अरब डॉलर की कमाई हुई। मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।



क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।' कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है। एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के

न्यूज इन शॉर्ट

ट्रेलर के नीचे आया बुजुर्ग, ट्रक ने बाइक सवार युवक-युवती को कुचला; भाजपा नेता की भी गई जान

कोरबा/बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में 3 अलग-अलग हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। कोरबा में बुधवार सुबह बाइक और स्कूटी की टक्कर हो गई। दोनों वाहन सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने युवक और युवती को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र की है। वहीं, कोरबा के उरगा चौक के पास ट्रेलर ने स्कूटी सवार 65 वर्षीय बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर से बुजुर्ग सड़क पर गिर गया। इसी दौरान ट्रेलर का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना का हृदयविदारक फुटेज भी सामने आया है। हादसा उरगा थाना क्षेत्र का है।इधर, बलरामपुर-रामानुजगंज में भाजपा नेता की बाइक सड़क किनारे लगे पिलर से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता ने रेफरल अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में दम तोड़ दिया। उनकी बाइक मोड़ पर बेकाबू हो गई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना सनावल थाना क्षेत्र की है।

स्कूल पहुंचा बाल संरक्षण अभियान, नशे व बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का लिया संकल्प

जगदलपुर। बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई, बस्तर द्वारा विद्यालयों में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज बुधवार को शासकीय हाई स्कूल हटकचोरा एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, भैरमगंज, जगदलपुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने बाल विवाह को रोकने तथा बाल अधिकारों की रक्षा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेते हुए 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' की शपथ ली।कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई की परामर्शदाता श्रीमती रंजीता देवांगन एवं आउटरीच वर्कर (ओआरडब्ल्यू) श्रीमती ललिता बघेल ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों, सरकारी योजनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उन्होंने मिशन वात्सल्य योजना के उद्देश्यों को समझाते हुए बताया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, शिक्षा, सम्मान और विकास के समान अवसर मिलना आवश्यक है। बच्चों को गुड टच-बैड टच के माध्यम से सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श के बीच अंतर समझाया गया। साथ ही पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों, बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल श्रम की रोकथाम तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के महत्व पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण अथवा दुर्व्यवहार की स्थिति में चुप रहने के बजाय विश्वसनीय अभिभावक, शिक्षक या बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाइन 1098 से संपर्क करना चाहिए।कार्यक्रम में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के प्रति भी सचेत किया गया। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपने आस-पास के बच्चों को भी गलत आदतों से बचाने के लिए प्रेरित किया गया।

विशेष पिछड़ी जनजाति भुंजिया के 425 परिवारों को नगरी परियोजना से जोड़ने की मांग

धमतरी। विशेष पिछड़ी जनजाति भुंजिया समाज के लोग मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जिले के 425 भुंजिया परिवारों को गरियाबंद की जगह नगरी स्थित कमार एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना से जोड़ने की मांग की। समाज के लोगों का कहना है कि लंबी दूरी के कारण योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है।भुंजिया समाज के जिलाध्यक्ष मंगल नाग और ब्लाक अध्यक्ष संतोष मराई ने बताया कि धमतरी जिले के नगरी और मगरलोड विकासखंड में विशेष पिछड़ी जनजाति भुंजिया के कुल 425 परिवार निवासरत हैं।

मरवाही में 62 हाथियों के चलते 9 स्कूल बंद-बच्चों की सुरक्षा के लिए 4-5 नवंबर को छुट्टी; हाथियों को उकसाने का वीडियो वायरल

फैसला बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही इलाके में 62 हाथियों का झुंड घूम रहा है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए नाका संकुल के 9 स्कूलों में 4 और 5 नवंबर को छुट्टी घोषित की गई है। यह फैसला बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

वहीं, इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति जंगल के पास हाथियों को उकसाता नजर आ रहा है। वन विभाग ने वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।



नाका और मटियाडांड़ बीट में घूम रहा हाथियों का झुंड

मरवाही वनमंडल के नाका और मटियाडांड़ बीट में इन दिनों 62 हाथियों का झुंड मौजूद है। हाथियों की आवाजाही से आसपास के गांवों में खतरा बना हुआ है।जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय वर्मा ने नाका संकुल के 9 स्कूलों में दो दिन की छुट्टी का आदेश जारी किया है।वन विभाग और प्रशासन हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। ग्रामीणों को सतर्क रहने और हाथियों के करीब नहीं जाने की सलाह दी गई है।

हाथियों को उकसाते व्यक्ति का वीडियो वायरल

हाथियों की मौजूदगी के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें एक व्यक्ति नाका के जंगल के पास खुलेआम हाथियों को उकसाता नजर आ रहा है।वन विभाग की ओर से लगातार चेतावनी देने के बावजूद इस तरह की हरकत से व्यक्ति अपनी और दूसरों की जान खतरे में डाल रहा है।वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग हरकत में आ गया है। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान की जा रही है, ताकि उसके खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जा सके।

वन विभाग ने लोगों से की सतर्क रहने की अपील

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे हाथियों की मौजूदगी वाले इलाकों में सावधानी बरतें। जंगल के आसपास हाथियों को देखकर उनके करीब जाने, उन्हें उकसाने या किसी तरह का जोखिम उठाने से बचें।

हर दुकान में रेत-पानी की बाल्टी और अग्निशमन यंत्र जरूरी,

दुर्ग में पटाखा दुकानों के बीच रखनी होगी खाली जगह

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग-भिलाई

दीपावली पर पटाखा दुकानों में आग लगने की घटनाओं को रोकने और लोगों की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। दुर्ग कलेक्ट्रेट सभागार में पटाखा व्यापारियों की बैठक लेकर सुरक्षा के जरूरी निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि हर छह दुकानों के बीच पर्याप्त खाली जगह रखनी होगी, ताकि आग लगने पर राहत और बचाव का काम आसानी से किया जा सके। बैठक में आग से बचाव, यातायात, पार्किंग और भीड़ को संभालने की व्यवस्था पर चर्चा हुई।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल, एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता, सीएसपी देवांश सिंह राठौर,



एसडीआरएफ के अधिकारी, नगर निगम के बाजार प्रबंधन अधिकारी, थाना प्रभारी दुर्ग और पटाखा व्यापारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने व्यापारियों को निर्देश दिए कि हर पटाखा दुकान में रेत और पानी से भरी बाल्टी के साथ आग बुझाने वाला यंत्र रखना होगा। दुकानों के आसपास ज्वलनशील सामान नहीं रखा जाएगा।सुरक्षा के लिए सभी दुकानों और पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्ड भी तैनात करने होंगे।

पार्किंग और पुलिस कंट्रोल रूम की होगी व्यवस्था

पटाखे खरीदने आने वाले लोगों की भीड़ को देखते हुए व्यापारियों को अलग से पार्किंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

भिलाई में 13,933 मतदाताओं की जानकारी में सुधार

बाकी दावा-आपत्तियों का 6 नवंबर तक होगा निराकरण, राजनीतिक दलों को भी दी जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग-भिलाई

मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत भिलाई नगर निगम क्षेत्र में नाम जोड़ने, नाम में बदलाव और अन्य सुधार के लिए मिले आवेदनों पर कार्रवाई की जा रही है। निगम के सभी पांच जोनों में अब तक 13,933 मतदाताओं की जानकारी में सुधार किया गया है। इसकी जानकारी निगम सभागार में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों को दी गई। साथ ही उन्हें किए गए सुधारों की जानकारी दिखाई गई।बैठक में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर लिली थॉमस, खेमलाल वर्मा और अनुविभागीय दंडाधिकारी सोनल डेविड मौजूद रहे। इस दौरान मतदाता सूची में सुधार के लिए मिले आवेदनों, परिशिष्ट-15 और अन्य आपत्तियों



पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि सभी पांच जोनों में मिले आवेदनों की जांच के बाद नियमों के अनुसार सुधार किया गया है।

बाकी आपत्तियों का 3 दिन में होगा निराकरण

सभी जोनों में जोन आयुक्त, सहायक निर्वाचन अधिकारी और बूथ स्तर के कर्मचारियों ने आवेदनों की जांच कर सुधार किए हैं। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को किए गए सुधारों की जानकारी दिखाई गई। प्रतिनिधियों ने इस पर संतुष्टि जताई। वहीं, बाकी आपत्तियों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई।अधिकारियों को इन मामलों में जरूरी सुधार अगले 3 दिनों के भीतर करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 3 नवंबर तक मिले बाकी दावा-आपत्तियों का निराकरण 6 नवंबर तक किया जाएगा।

धमतरी जिले में अब 816 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान, सात नए केंद्रों का सृजन

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

जिले में आगामी चुनावों को लेकर मतदान केंद्रों की व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से किए गए युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग की सहमति एवं स्वीकृति के बाद मतदान केंद्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इसके तहत जिले में सात नए मतदान केंद्रों का सृजन किया गया है, जिससे अब कुल मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर 816 हो गई है।अंतिम सूची के अनुसार विधानसभा क्षेत्र 56-सिहावा (अजजा) में 267, 57-कुरूद में 263 और 58-धमतरी में 286 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं।युक्तियुक्तकरण के तहत कुरूद विधानसभा क्षेत्र में चार नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा एक मतदान केंद्र का स्थल परिवर्तन और तीन केंद्रों के भवन बदले गए हैं। वहीं धमतरी विधानसभा क्षेत्र में तीन नए मतदान केंद्रों का सृजन किया गया है। यहां चार मतदान केंद्रों के नाम में परिवर्तन करने के साथ ही दो मतदान केंद्रों के अनुभाग में भी बदलाव किया गया है। मतदान केंद्रों में हुए इन परिवर्तनों की जानकारी आम नागरिकों और मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों और नगरीय निकायों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।संशोधित सूची को तहसील कार्यालयों, स्थानीय निकायों के सूचना पटल, पंचायत भवनों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर उपलब्ध कराने कहा गया है, ताकि मतदाता आसानी से अपने निर्धारित मतदान केंद्र की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकें। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए परिवर्तनों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और की गई कार्रवाई से जिला निर्वाचन कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की इस प्रक्रिया से मतदान व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित मतदान के दौरान सुविधा मिलेगी।

लोगों को भाए बंदियों के बनाए अचार और नमकीन



राज्योत्सव के आखिरी दिन जेल प्रदर्शनी देखने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग, हाथकरघा चलाना सीखा

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

राज्योत्सव 2026 के आखिरी दिन जेल और सुधारात्मक सेवाएं विभाग की प्रदर्शनी देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। यहां बंदियों के बनाए अचार, नमकीन, सरसों तेल और अन्य उत्पादों में लोगों ने दिलचस्पी दिखाई।खासकर जेल में तैयार होने वाली नमकीन और अचार के बारे में लोग जानकारी लेते नजर आए। दुर्ग में तैयार होने वाली लाइट्स और उन्हें असेंबल करने के काम को भी लोगों ने देखा। कई लोगों ने इन उत्पादों की खरीदारी कहां से की जा सकती है, इसकी जानकारी भी ली।

दर्शनी में बंदियों के बनाए उत्पादों के साथ उनकी कला, शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट से जुड़ी गतिविधियों को भी दिखाया गया था। लोगों के लिए यह जानना दिलचस्प रहा कि जेल में बंदी अलग-अलग तरह के काम सीखने के साथ उपयोगी सामान भी तैयार कर रहे हैं।

हाथकरघा का चलित मॉडल बना आकर्षण

बंदियों को दिए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी में हाथकरघा का चलित मॉडल भी रखा गया था। इसके जरिए लोगों को बताया गया कि जेलों में बंदियों को अलग-अलग कामों की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि रिहाई के बाद वे अपने हुनर के आधार पर रोजगार हासिल कर सकें।

आस्था नमकीन और अचार में दिखी दिलचस्पीइस प्रदर्शनी में आस्था ब्रांड के नाम से तैयार नमकीन के साथ अचार, सरसों तेल, जूट के उत्पाद और अन्य सामान रखे गए थे। लोगों ने इन उत्पादों को देखा और इनके निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली।बंदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को लेकर यह भी पूछा कि इन्हें बाजार में कहां से खरीदा जा सकता है। इसके अलावा दुर्ग में लाइट्स की असेंबलिंग से जुड़े काम को भी प्रदर्शनी में जगह दी गई थी।

गणेश-दुर्गा की प्रतिमाएं और पेंटिंग भी प्रदर्शित

प्रदर्शनी में बंदियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, जूट के सामान, भगवान गणेश और मां दुर्गा की प्रतिमाएं भी रखी गई थीं। महिला बंदियों द्वारा अचार बनाने और युवा बंदियों को फास्ट फूड तैयार करने की ट्रेनिंग देने की जानकारी भी फोटो प्रदर्शनी के जरिए दी गई। ये गतिविधियां निश्चय कार्यक्रम के तहत संचालित से जोड़ना है।

कोंडागांव के बच्चों ने राज्योत्सव में मॉडल दिखाए

जल चक्र और मैजिक बॉक्स की प्रस्तुति को सराहा, पुलिस जवानों ने देशभक्ति गीतों से जीता दिल

एक सत बुलेटिन ➤ कोंडागांव

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव प्रदर्शनी में जनपद प्राथमिक शाला बुनागांव के बच्चों ने जल चक्र और मैजिक बॉक्स मॉडल पेश किए। कक्षा चौथी और पांचवीं के बच्चों ने दोनों मॉडल के बारे में बताया।प्रदर्शनी देखने पहुंचीं क्षेत्रीय विधायक और मुख्य अतिथि लता उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी और अन्य अधिकारियों ने बच्चों की वैज्ञानिक समझ और आत्मविश्वास की सराहना की।

शिक्षक सूरज नेताम और शिक्षिका मोनिका साहू के मार्गदर्शन में कक्षा चौथी और पांचवीं के ख्याती नेताम, तमन्ना सोड़ी, रितेश सोरी और मोनालिका नाग ने मॉडल पेश किए। बच्चों ने वैज्ञानिक और गणितीय सिद्धांतों के बारे में बताया।बुनागांव का यह स्कूल पिछले चार साल से ब्लॉक और जिला स्तर के अलग-अलग आयोजनों में सर्वोच्च स्थान हासिल करता आ रहा है। इससे पहले स्कूल के छात्रों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सामने भी अपने मॉडल पेश किए थे।



जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल और विकासखंड शिक्षा अधिकारी जगमोहन भोयर के निर्देशन में जिले के स्कूलों में बाल वैज्ञानिक और नए तरीके से पढ़ाई से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।शिक्षा विभाग के स्टॉल में पीएमश्री विद्यालय मॉडल, अटल टिंकरिंग लैब, एआई रोबोट, मैजिक कार्ड, सेंसर डस्टबिन और एडजेस्टेबल बेड भी प्रदर्शित किए गए।

पुलिस जवानों ने देशभक्ति गीतों से बांधा समां

राज्योत्सव के सांस्कृतिक मंच पर कोंडागांव पुलिस के जवानों ने अपनी गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जंगलों में गश्त और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले जवान जब मंच पर माइक लेकर पहुंचे तो उनका अलग अंदाज देखने को मिला। देशभक्ति से जुड़े गीतों की प्रस्तुति पर पंडाल में मौजूद लोगों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया।

जवानों की गायकी में देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रसेवा का जज्बा नजर आया। उनकी प्रस्तुति ने यह भी दिखाया कि कठिन ड्यूटी और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच पुलिस जवानों में कला और संगीत की प्रतिभा भी छिपी है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल